



हरियाणा 1



विक्रेता :-

मौजा :- सीकरी

- 1 -



क्रेता :-

नगर-निगम की सीमा से बाहर

054975

बयनामा मालयती 64,50,000/-रुपये.स्टाम्प = 3,87,000/- रुपये,

स्टाम्प विवरण (20000x19+5000x1+1000x2) किता = 22

जिला खेजाना फरीदाबाद, स्टाम्प क्रमोंक 19115 दिनोंक 14-03-2007

मै, राकेश माहना पुत्र अर्जुन देव माहना निवासी 60 बी. धृंगार नगर, लखनऊ, उत्तर-प्रदेश का हूँ।

जो कि बाक मौजा सीकरी तहसील बल्लबगढ व जिला फरीदाबाद, हरियाणा अराजी खेवट नं. 87/61 खतौनी नं. 98 साल जमाबन्दी 2000-2001 मु.नं. 9 के कीला नं. 24/3(6-3), व मु. नं. 13 के कीला नं.4/3(5-17), 5(8-0), 6(8-0), 7/1(5-10), कुल किता-5 कुल बा रकबा

Rakesh



ETI

Q. 1





हरियाणा HARYANA

054974

- 2 -

33 कनाल 10 मरले, बरुवे बयनामा रजि० शुदा बा नं. 2263 मोरखा दर्ज 02.06.2006 व इन्तकाल बय मन्जूर शुदा बा नं 3646 तारीख फैसला 13.6.2006 इकरारी श्री संदीप पुत्र श्री हरमिन्दर सिंह बगैरा, मेरी वाहिद मिलकियत मकबूजा खुद है। मौका पर मेरा अपना कब्जा है। हर प्रकार की जेरबारी व देनदारी बारे रहन, डिकरी, कुर्की, जमानत, बय, पट्टा, तबादला, तितमानामा, हिब्बानामा, हक त्याग—पत्र आदि आदि से पाक साफ है। इससे पहले किसी अन्य के पास किसी भी रूप से बन्धित या हस्तान्तरित की हुई नहीं है और ना ही ऐसा करने का कोई लिखित या मौखिक इकरार किसी अन्य से कर रखा है। इस सम्पत्ति पर महकमां लैण्ड एक्वीजीशन की कोई धारा लगी हुई नहीं है और ना ही इस बारे में मुझे कभी कोई लिखित या मौखिक नोटिस या सूचना प्राप्त हुई है। इस सम्पत्ति की बाबत किसी भी अदालत में कोई झगडा मुकदमा आदि जेर तजबीज नहीं है। इस सम्पत्ति पर किसी भी अदालत आदि का कोई स्टे आदि लगा हुआ नहीं है। मुझे व सिर्फ मुझे ही वाहिद मालिक कामिल व काबिज के रूप में

Rakesh







हरियाणा HARYANA

054973

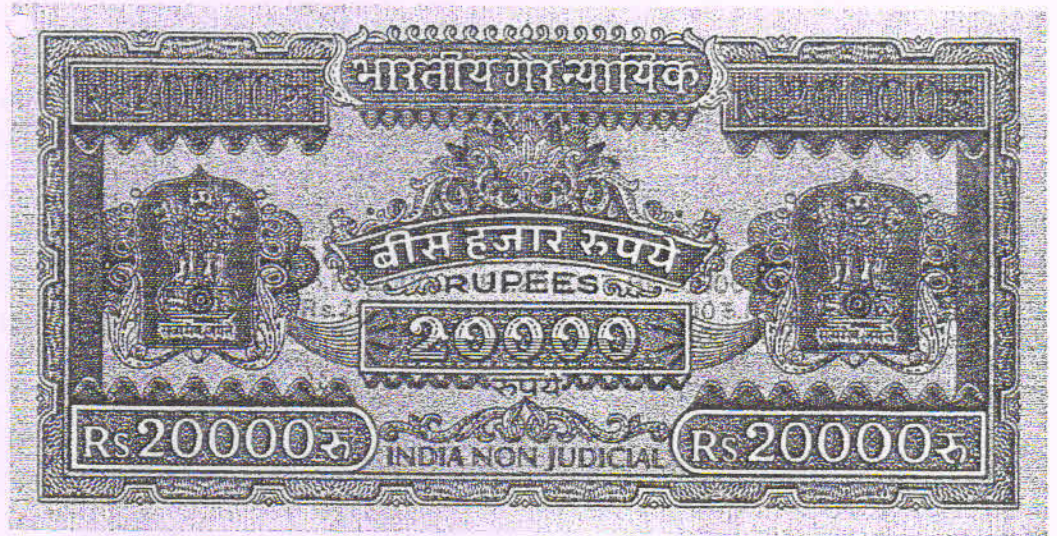
- 3 -

इस सम्पत्ति को बय आदि करने का पूरा पूरा हक हासिल है! मेरे द्वारा इस सम्पत्ति को बय आदि किये जाने में कोई कानूनी अडचन बिलकुल नहीं है! मैं सम्पत्ति बाला से दूर रहता हूँ! इन्तजाम में दिक्कत रहती है! अब मुझे अपनी दीगर सम्पत्ति की तरक्की हैसियत के लिये व बराये जरूरयात खानगी, व खानदानी धन की जरूरत है, इसलिये अब मैंने सोच समझकर अपने व अपने खानदान के मफाद व जरूरयात को मदे नजर रखकर अपनी उक्त सालिम सम्पत्ति को, हर प्रकार से पाक साफ हालत में, कुल मुवलिंग चौसठ लाख पचास हजार रुपये (64,50,000/-रुपये) में आधे जिसके 32,25,000/-रुपये होते हैं मैं पास मैसर्ज सतीश बिल्डवैल प्रा. लि० जिसका रजिस्टर्ड आफिस नील हाउस लाडो सराय (कुतुब मीनार के सामने) नई दिल्ली-110030, बजरया श्री एस.के.आर्य सपुत्र श्री आर.आर.अग्रवाल निवासी डब्ल्यू.101 ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली, डायरैक्टर कं. हजा, बय कलेई व फिरोककत कुल्ली कर दिया है! कुल जरे बय में से 6,50,000/-रुपये पहले डिमान्ड ड्राफ्ट नं. 644388

Rakesh







हरियाणा HARYANA

054972

- 4 -

दिनांक 21.02.2007 बर बैंक दा बैंक आफ राजस्थान लि० जनपत नई दिल्ली ब्रान्च, पे एवल एट लखनउ, वसूल कर चुका हूँ, बकाया 58,00,000/-रुपये बजरया बैंक डिमान्ड ड्राफ्ट नं. 644786 दिनांक 13.03.2007 बर बैंक, दा बैंक आफ राजस्थान लि० जनपत नई दिल्ली ब्रान्च, पे एवल एट लखनउ ब्रान्च द्वारा रुबरू अफसर रजि० वसूल करूंगा! इस प्रकार कुल का कुल जरे बय मुवलिग 64,50,000/-रुपये वसूल तसलीम है! जरे बय की बाबत अब मेरा किसी प्रकार का कोई लेना खरीददार की तरफ बकाया नहीं रहा है! कब्जा मौका पर खाली एवं पाक साफ हालत मे इसी समय ही सालिम सम्पत्ति मुबैया बाला का हवाले खरीददार कर दिया है! अब से बाद मेरा व मेरे वारसान का कोई समबन्ध सम्पत्ति मुबैया बाला से नहीं रहा है! जो ओर जिस कदर हक हकूक बतौर मालिक कामिल व काबिज के मुझको उक्त सम्पत्ति की बाबत हासिल है वह तमाम के तमाम मेरी बजाये उक्त खरीददार को हासिल हो गये है! मुश्तरी उक्त सम्पत्ति के वाहिद मालिक कामिल व काबिज हो गये हैं! दाखिल खारिज करा

Rakesh







हरियाणा HARYANA

054971

- 5 -

दूँगा या इस बयनामा की रूह से मुश्तरी स्वयं करा लेवे तो मुझे कोई उजर एतराज ना होगा, बल्कि ऐसा कर दिया जाना चाहिये! सम्पत्ति मुबैया बाला हर प्रकार से पाक साफ है! मेरे टाईटल मे कोई नुक्स या जेरबारी निकली या कोई नुकस मिलकियत या कोई नुक्स कानूनी या वाकियाती आदि निकला या किसी भी दीगर ने किसी भी किस्म का कोई हक जताकर खरीददार के हितो को हानि पहुचाने की चेष्टा की या किसी भी दीगर ने किसी भी किस्म का कोई हक जताकर खरीददार के शांतिपूर्ण कब्जा मे कोई बिध्न पैदा करने की चेष्टा की तो मैं व मेरी दीगर जायदाद हर किस्म सम्पत्ति मुबैया बाला व जरे बय आदि की मय हर्जा खर्चा व लागत नुकसान के हर किस्म देनदार होगी! सम्पत्ति मुबैया बाला समबन्धित पिछले तमाम के तमाम कागजात मुतालका मूल रूप मे हवाले खरीददार को सौंप दिया है! कुल खर्चा बयनामा मय स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन फीस आदि के सभी खरीददार ने लगाया है! अतः यह बयनामा मैंने खूब सुन सोच समझकर अपनी तमाम की तमाम इन्द्रियो की स्वस्थ एवं चेतन अवस्था से बिना

Rakesh



17-5





हरियाणा HARYANA

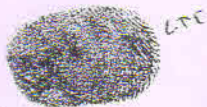
054970

- 6 -

किसी जोर जबर व बहकाव फुसलाव आदि के अपने शुद्ध अन्तःकरण से, रुबरु गवाह के लिख दिया है ताकि सनद हो वक्त जरूरत काम आवे तिथि :- 15/03/07

हो श्री राकेश माहना विक्रेता  
(PAN NO. ADTPMT710P)

Rakesh



सा0-1

S. C. Sharma  
AWBES  
Sharma

हो मैसर्स सतीश बिल्डवैल प्रा. लि0 क्रेता

बजरया श्री एस.के.आर्य डायरेक्टर कं. हजा.

Sharma

सा0-2

Rajwant Singh  
S/o. Prithvi Singh  
House No. 786 Sector 14  
Gurgaon  
Gurgaon

Dr. T. P. Chaudhary

Dr. T. P. Chaudhary

DR. TAPACHAND

Dist. Courts Fardousi

15.3.07



हरियाणा HARYANA

054957

Rakesh  
en





हरियाणा HARYANA

054958

Rakesh



L.T.F



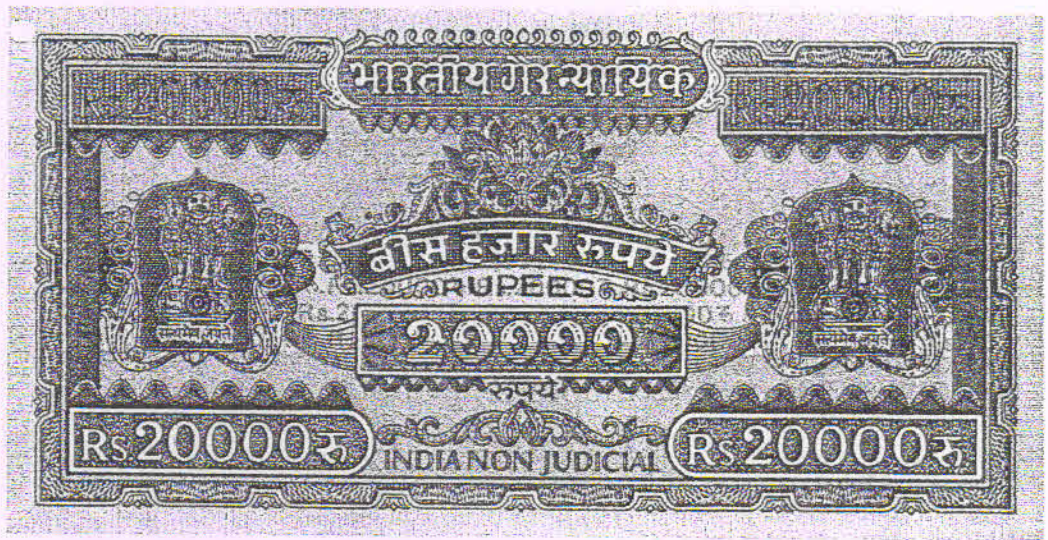
हरियाणा HARYANA

054959

Rakesh



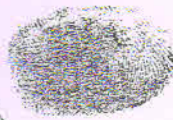




हरियाणा HARYANA

054960

Rakesh

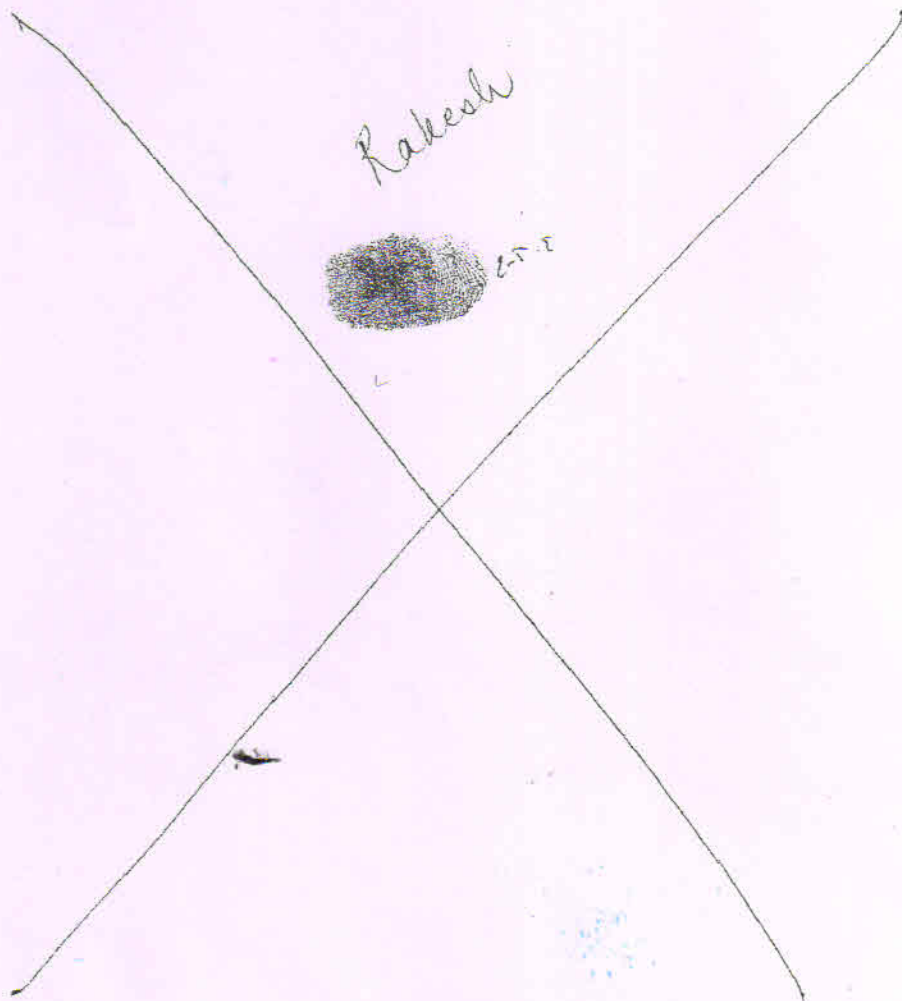


2-1-1

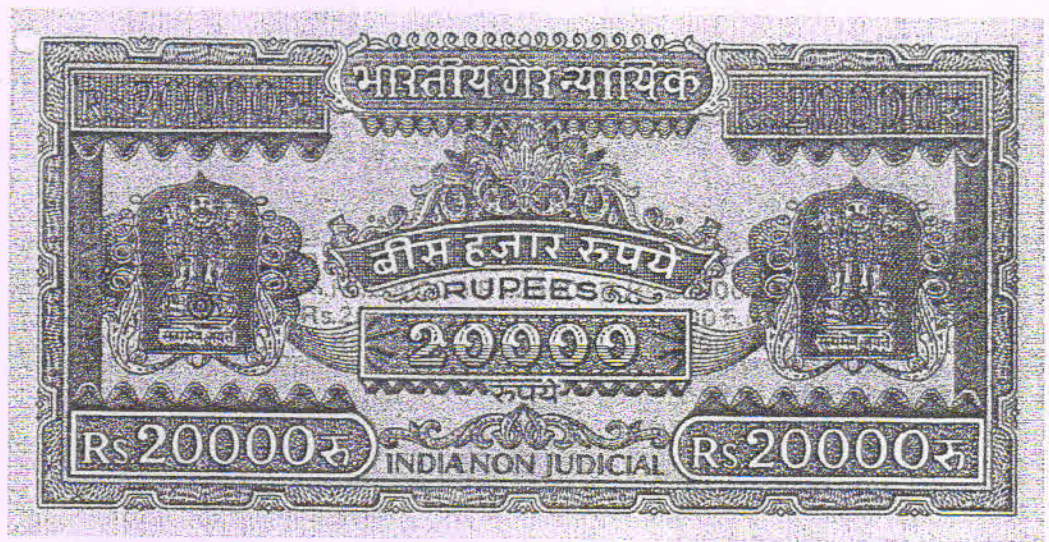


हरियाणा HARYANA

054961







हरियाणा HARYANA

054962

Rakesh

ET.F

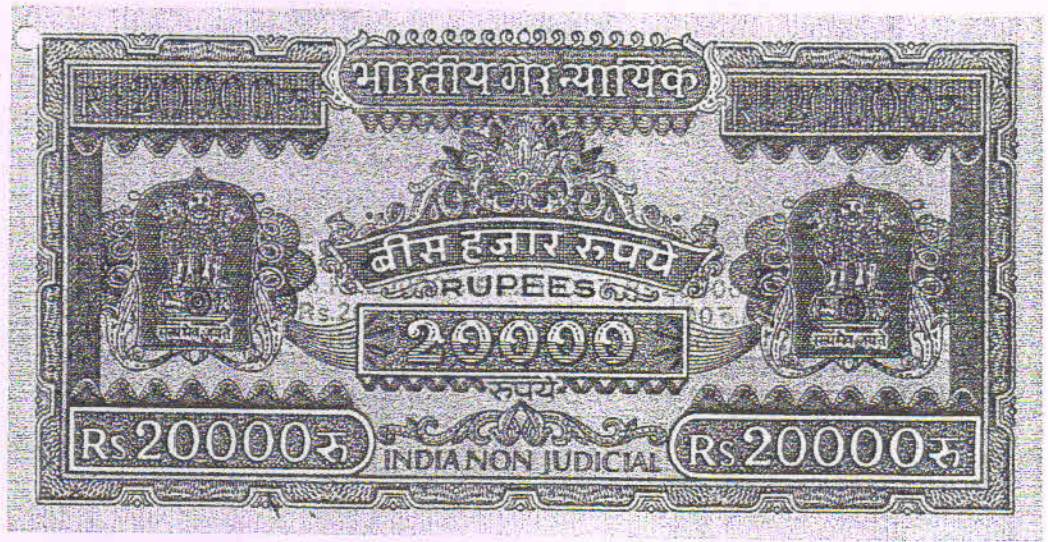


Rakesh



1975





हरियाणा HARYANA

054964

Rakesh

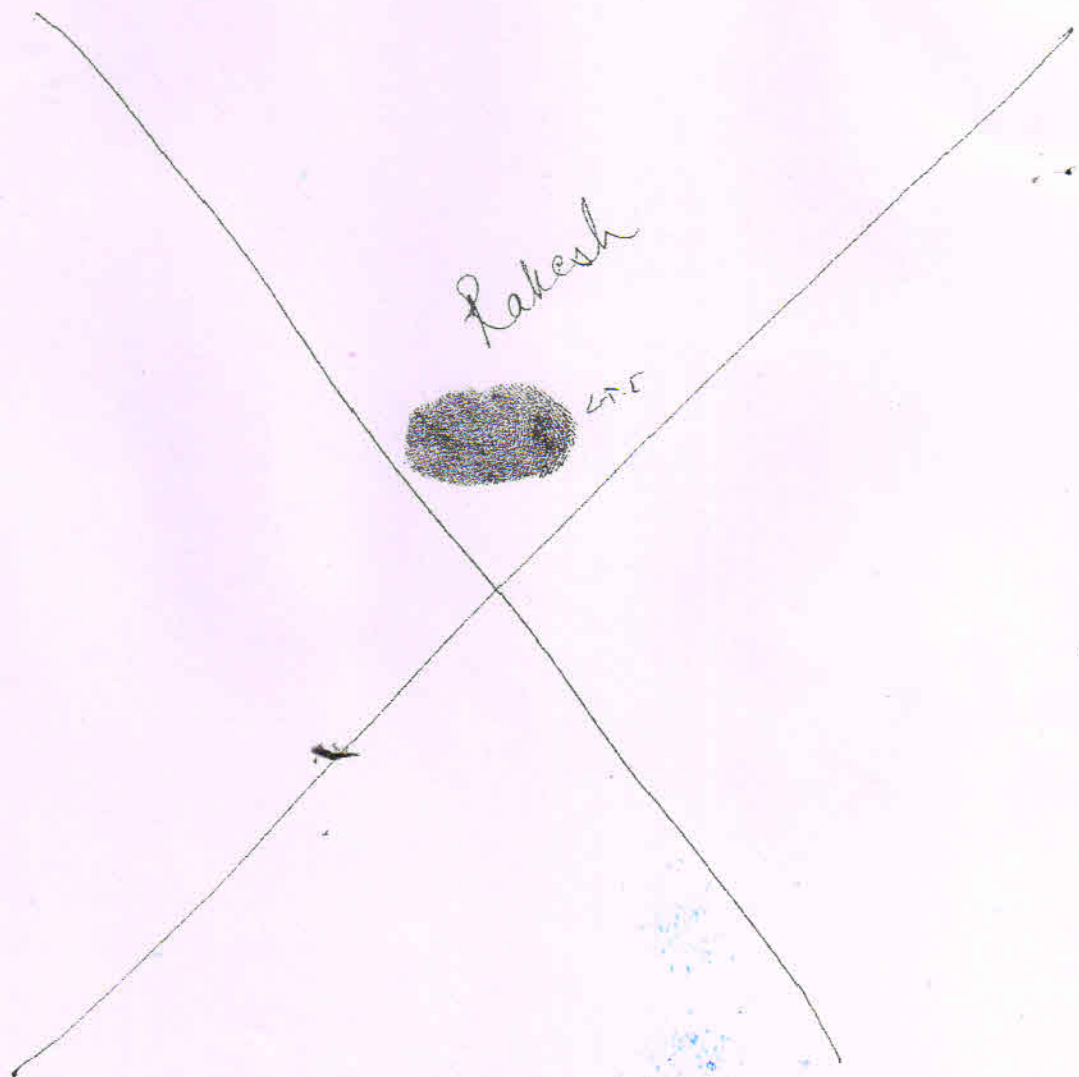


C.T.F

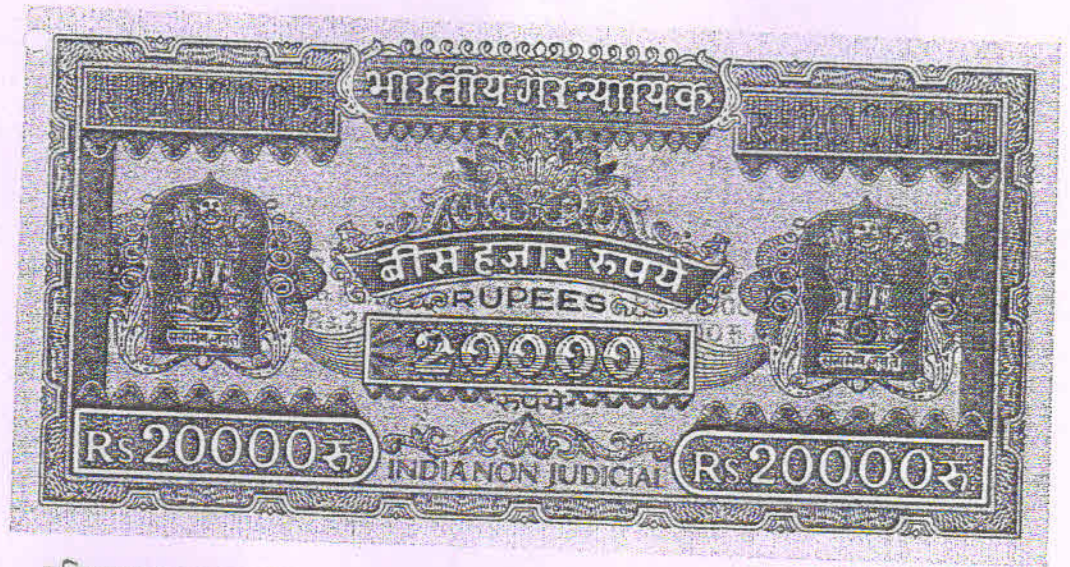


हरियाणा HARYANA

054965







हरियाणा HARYANA

054966

*Rakesh*

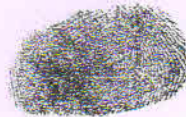




हरियाणा HARYANA

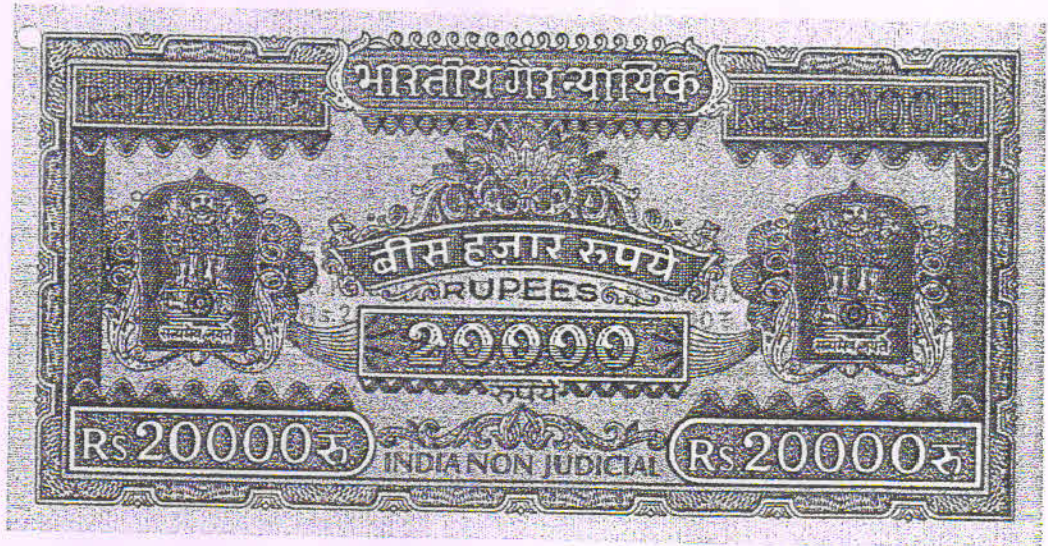
054967

Rakesh



20.5





हरियाणा HARYANA

054968

*Rakesh*



ल. १



हरियाणा HARYANA

*Rakesh*

054969



LT-1





हरियाणा HARYANA

*Rakesh*

703075





हरियाणा HARYANA

*Rakesh*

703076



*etc*



Reg. No. 14441 Reg. Year 2006-2007

Book No.

1 Cont. No.

Date



विक्रेता



क्रेता



गवाह

विक्रेता

Rakesh Mahna

*Rakesh*

क्रेता

Satish Bidwell Pvt Ltd

S. K. Arya

*S. K. Arya*

गवाह 1:- Satish Chand Shama Adv

*Satish Chand Shama Adv*

गवाह 2:- Rajwant Singh

*Rajwant Singh*

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक [4,441] आज दिनांक 15/03/2007 को वही न: 1 जिल्द न: 0 के पृष्ठ न: 39 पर पंजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द न: 3 के पृष्ठ सख्या 13 से 14 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहों ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये है।

दिनांक 15/03/2007

उप/सर्वेक्षक पंजीयन अधिकारी  
बल्लभगढ़